

---

## Sarasvati Stuti 3

सरस्वतीस्तुति: 3

### Document Information

---

Text title : Sarasvati Stuti 3)

File name : sarasvatIstutiH3.itx

Category : devii, sarasvatI, devI

Location : doc\_devii

Proofread by : Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

Latest update : September 29, 2019

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 3, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Sarasvati Stuti 3

---

### सरस्वतीस्तुति: 3

---



ॐ सितवर्णालङ्कारे सरस्वति समस्तवाङ्मयाधारे ! ।  
कमलजमानसवरटे मृगाङ्गुधवले नमस्तुभ्यम् ॥ १ ॥

धन्यः स श्रेय लोके स श्रेय पूज्यः स श्रेय सर्वगुरुः ।  
यस्य मुष्कमलकोशे वाङ्मया कुलदेवते वससि ॥ २ ॥

कस्त्वां विना विवेकी विवेकविकलस्य निष्कलं जन्म ।  
तस्माद्भारति भविनां त्वमेव छेतुर्विवेकेऽपि ॥ ३ ॥

लक्ष्मीवानपि पुरुषः शूरः सुभगोऽपि कामसमरूपः ।  
वृष एव विबुधसभायां प्रतिभात्यमले त्वया रक्षितः ॥ ४ ॥

मुनिमनुजमाननीयो मातर्भूर्भोऽपि मानवो दक्षः ।  
निःशेषशास्त्रवक्ता त्वन्मन्त्रध्यानतो भवति ॥ ५ ॥

कुवलयदृशः क्व तावद्देशमनि विलसन्ति कुयभरानम्राः ।  
यावदसिताञ्जनयने न त्वं तुष्टासि देवि भुवि भविनाम् ॥ ६ ॥

जित्वा नरोरिराजकमगुरुगुणवाङ्मिपुरुषभलसहितः ।  
यदृष्टैति तत्समग्रं त्वय्यरण्यनुतेः क्वं तस्य ॥ ७ ॥

आवर्जितापि कष्टैरिह जन्मनि मुच्यति नरं श्रीः ।  
न त्वं सप्तभवेष्विति मत्वा को नौति नो भवतीम् ॥ ८ ॥

कविवरवदनसरोरुडविडरणाविस्रम्भविभ्रमदृष्टमरि ।  
भगवति पञ्चमुष्मिश्चरि वागीश्वरि नमस्तेऽस्तु ॥ ९ ॥

शम्भुप्रणतां वार्णां भक्त्या यः स्तौति सोऽचिरेणैव ।  
अवहितबुद्धिप्रसरः कविराजो जायते मनुजः ॥ १० ॥

एति सरस्वतीस्तुतिः समाप्ता ।

Proofread by Aruna Narayanan narayanan.aruna at gmail.com

---



*Sarasvati Stuti 3*

pdf was typeset on October 3, 2021



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

